THE ENGLISH AND FOREIGN LANGUAGES UNIVERSITY, HYDERABAD

One Year MA(Hindi) Programme

I SEMESTER : COURSE DESCRIPTION

Course title	**समकालीन विमर्श नारीवाद :** **CONTEMPORARY DISCOURSE – FEMINISM**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	a. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAHINC – 504
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Friday 9:00 to 11.00 am and Tuesday 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Promila
Course description	**Include the following in the course description** **i)** अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकता से परिचय कराना। स्त्री के अधिकार और सभी पराधीन स्त्रियों के शोषण के विभिन्न आयामों की जानकारी प्राप्त कराना मुख्य उद्देश्य है । **ii) उद्देश्य :** ● छात्रों को' सबाल्टर्न डिस्कोर्स' के संबंध में जानकारी देना । ● समाज में स्त्री के स्थान, उसके शोषण व दमन चक्रों के संबंध में छात्रों को जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा । ● पितृसत्ता के स्वरूपों, नियमों के कारण स्त्री जीवन की दयनीय, वंचित और उपेक्षित जीवन जीने की विवशता से अवगत होंगे । ● हाशिये के समूहों के प्रति संवेदना विकसित करना । **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** ● आधी आबादी की स्वतंत्रता, अधिकार के प्रति जागरूक हो सकेंगे तथा मानवीय दृष्टिकोण का विकास होगा। ● स्त्री के शोषण के इतिहास की जानकारी मिलेगी । **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) & c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) ● समकालीन विमर्श की अवधारणा एवं वैचारिकी को समझना । ● भारतीय समाज में पितृसत्ता के स्वरूप एवं लिंग भेद को स्पष्ट करना। ● हाशिए एवं उपेक्षित समुदायों के प्रति संवेदना विकसित करना। ● स्त्री, दलित आदिवासी तथा अन्य उपेक्षित समुदायों के शोषण के इतिहास को समझना तथा नैतिक दृष्टि से मानवीय दृष्टिकोण पैदा करना। **इकाई-1** ● अस्मिता: अर्थ और स्वरूप ● अस्मिताओं के उभार के कारण ● अस्मितामूलक साहित्य की अवधारणा और विकास ।

	इकाई-2 **निबंध :** • श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा **उपन्यास :** • बेघर : ममता कालिया **आत्मकथा :** • अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान **कविता (एक कविताएँ-प्रत्येक संग्रह से एक)** • मुझे मुक्ति दो (काव्य-संग्रह) : तसलीमा नसरीन • खुरदुरी हथेलियाँ (काव्य-संग्रह) : अनामिका • इस पौरुष पूर्ण समय में : कात्यायनी • घर निकासी : नीलेश रघुवंशी
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning • अस्मिता: अर्थ और स्वरूप • श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा • इस पौरुष पूर्ण समय में : कात्यायनी
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	Essential reading **: संदर्भ ग्रंथ** • स्त्रियों की पराधीनता : जॉन स्टुअर्ट मिल • स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका • स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बुवार (अनु. - प्रभा खेतान) • पितृसत्ता के नये रूप : राजेन्द्र यादव Additional reading **: संदर्भ ग्रंथ** • स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार • हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे • बंग महिला नारी मुक्ति का संघर्ष : भवदेव पाण्डेय • स्त्री देह का विमर्श : सुधीश पचौरी • औरत के हक में : तसलीमा नसरीन • बधिया स्त्री : जर्मेन ग्रीयर • स्त्री पुरूष संबंधों का रोमांचकारी इतिहास : मन्मथनाथ गुप्त • स्त्री सृजन और संघर्ष : श्रीधरम • भारत में स्त्री असमानता : गोपा जोशी • परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय • स्त्री-पुरुष तुलना : ताराबाई शिन्दे • नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी • सीमन्तनी उपदेश : एक अज्ञात हिन्दू महिला, (सं.) धर्मवीर • स्त्री अस्मिता और समकालीन कविता : प्रमीला के. पी.

	• स्त्री अध्ययन की बुनियाद : प्रमीला के. पी. • वजूद औरत का : ग्लोरिया स्टायनेम (अनु.- भावना मिश्रा) • देह ही देश : गरिमा श्रीवास्तव • यौन दासियाँ : लुइज़ ब्राउन • श्रृंखला की कड़िया : महादेवी वर्मा

Course title	**पहचान केंद्रित-विमर्शदलित एवं आदिवासी साहित्य :** **Identity Centric Discourse: Dalit & Adivasi Literature**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	b. Existing course without changes
Course code	PAPER : MAHINC 505
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Tuesday 09.00 am to 11.00 am, Friday 11.00 am to 01.00 pm
Name of the teacher/s	Prof. T. J. Rekha Rani & Prof. Shyamrao Rathod
Course description	**Include the following in the course description** i) अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकता से परिचय कराना। समाज के अन्य समुदाय दलित, आदिवासी तथा अन्य समुदाय के अस्तित्व एवं अस्मिता की पहचान कराना मुख्य उद्देश्य है। **ii) उद्देश्य :** • अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकी से परिचय कराना। • अस्मिता विमर्श की वैचारिकी और उसकी विश्लेषण की क्षमता को विकसित करना। • दलित एवं आदिवासी चिंतन में वैचारिकी के स्तर पर साम्य एवं वैषम्य को रेखांकित करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** • दलित एवं आदिवासी साहित्य के द्वारा समाजशास्त्रीय दृष्टि बनने में सहायक होगें। • दलित एवं आदिवासी साहित्य के द्वारा बहुजन समान की ऐतिहासिक, संवैधानिक एवं भविष्य से परिचित हो सकेंगे। • अस्मितामूलक पाठ्य रचनाओं का चिंतन और विश्लेषण कर सकेंगे तथा अन्य विमर्श से परिचित होगें। **iii) Learning Outcomes :** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) & c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) • आस्मितामूलक विमर्श के अध्ययन से छात्रों में समाजशास्त्रीय नवीन दृष्टि प्राप्त करने में सहायक होंगे • अस्मितामूलक पाठ्य रचनाओं का चितंन और विश्लेषण कर सकेंगे। • इस प्रश्न पत्र की जानकारी एवं दक्षता से विद्यार्थी भारत सरकार द्वारा संरक्षण प्राप्त महिला आयोग, दलित, आदिवासी केंद्रों, एन.जी.ओं आदि स्थानों पर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। • साहित्यिक कृतियों के मूल्याकन एवं विश्लेषण में सिद्धहस्त होना। **इकाई-1** • दलित साहित्य: अर्थ एवं अवधारणा।

	- दलित अस्मिता: ऐतिहासिक विकास क्रम। - हिंदी साहित्य में दलित लेखन, प्रतिमान एवं चुनौतियाँ। - दलित आंदोलन और सामाजिक परिवर्तन में डॉ. अम्बेडकर का योगदान। **इकाई-2** **आत्मकथा :** - जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि **कविता :** - अछूत : हीराडोम **कहानी :** - नो बार : जयप्रकाश कर्दम **अलोचनानिबंध/ :** - दलित उत्पीडन की परपंरा और वर्तमान : मोहनदास नैमिशराय **इकाई-3** - आदिवासी समाज। - आदिवासी समाज का विविध संदर्भ। - आदिवासी अस्तित्व एवं अस्मिता का संकट/स्वरूप। - आदिवासी साहित्य की विकास परंपरा और हिंदी आदिवासी साहित्य लेखन का महत्व। **इकाई-4** **उपन्यास :** 'धूणी तपे तीर' : हरिराम मीणा **कहानी :** 'साक्षी है पीपल' : जोराम यालाम **कविता :** 'स्टेज' : वाहरू सोनवणे 'नगाडे की तरह बजते शब्द' : निर्मला पुतुल 'कलम को तीर होने दो' : ग्रेस कुजूर **नाटक :** - कालीबाई : प्रभात मीणा
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : - दलित साहित्य : अर्थ एवं अवधारणा। - जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि 'धूणी तपे तीर' : हरिराम मीणा 'स्टेज' : वाहरू सोनवणे
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** - दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले - दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओम प्रकाश वाल्मीकि - आदिवासी साहित्य-यात्रा : रमणिका गुप्ता (सं.)

	• आदिवासी कौन : रमणिका गुप्ता (सं.) **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • दलित साहित्य का समाजशास्त्र : हरिनारायण ठाकुर • आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेंद्र चौबे • अभिशप्तचिंतन से इतिहास चिंतन की ओर : डॉ. धर्मवीर • जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा • जनजातीय संस्कृति : गया पाण्डेय • जनजातीय भारत : नदीय ह सनैन • हाशिये की वैचारिकी : उमाशंकर चौधरी (सं.) • आदिवासी दर्शन और समाज : हरिराम मीणा • मानव शास्त्र : डॉ. रामनाथ शर्मा • उत्तरशती के हिन्दी उपन्यास में मुस्लिम जन-जीवन : डॉ. रेखा रानी

Course title	**साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ** **IDEOLOGICAL THEORIES**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	c. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC 506
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday 9.00 am to 11.00 am, Wednesday 11.00 am to 01.00 pm,
Name of the teacher/s	Dr. Priyadarshini
Course description	**Include the following in the course description :** i) साहित्यिक प्रवृत्तियों, ऐतिहासिकताओं और संवेदनाओं के बदलावों को साहित्य के द्वारा समझाना ही इस प्रश्नपत्र का प्रमुख ध्येय है। **ii) उद्देश्य :** • साहित्येतिहास दर्शन सामान्य इतिहास दर्शन के समानान्तर होता है । ऐतिहासिक कार्यों को जानने में मदद मिलती है । • साहित्य के इतिहास लेखन में अतीत को ठीक से परखने और समझने के लिए वर्तमान की सही समझ पैदा करना । • साहित्य के इतिहास में कृतियों का मूल्यांकन कर पाएंगे तथा साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ को विकसित करना । **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) :** • साहित्य दर्शन की प्रमुख विशेषताओं से परिचित होगें । • साहित्य में अभिव्यक्त समस्याओं का ठोस समाधान निकाल पायेगें । • साहित्येतिहास लेखन में उस सामाजिक संदर्भ का ध्यान रखना जिनमें साहित्य का प्रादुर्भूत हो पाया है । • नए विचारों, वाद, आंदोलन आदि को समझने की क्षमता बढेगी ।

	iii) Learning Outcomes : a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) • साहित्येतिहास-लेखन की विभिन्न पद्धतियों का तुलनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे। • साहित्यिक कृतियों का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे। • साहित्यिक प्रवृत्तियों, वादों एवं आंदोलनों का समालोचनात्मक विवेचन प्रस्तुत कर सकेंगे। • साहित्येतिहास के अध्ययन में विभिन्न सैद्धांतिक दृष्टियों का प्रभावी उपयोग कर पाएँगे। **इकाई -1** • हिंदी शोध का इतिहास • इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन पद्धति • साहित्य में इतिहास दृष्टि **इकाई -2** • शोध साहित्येतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत: विधेयवादमार्क्सवाद और संरचनावाद , • हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्या और विभिन्न दृष्टियाँ • काल विभाजन का आधार **इकाई -3** • साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतर्संबंध • सामाजिक परिवेश एवं सांस्कृतिक संदर्भ • साहित्यिक इतिहास और आलोचना का परस्पर संबंध **इकाई -4** • उत्तर आधुनिकतावाद, नव्य इतिहासवाद • साहित्येतिहास के दलित एवं नारीवादी परिप्रेक्ष्य
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • हिंदी शोध का इतिहास • इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन पद्धति • साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतर्संबंध
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय • साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय • साहित्य का इतिहास – दर्शन : श्री नलिन विलोचन शर्मा **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • हिंदी साहित्य का इतिहास - दर्शन : आनंदनारायण शर्मा • इतिहास क्या है : ई.एच.कार • भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : रामविलास शर्मा • आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध : नित्यानंद तिवारी • साहित्य का समाजशास्त्र : डॉ. नरेंद्र • (सं.) साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन : निर्मला जैन • हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे

	• हिंदी साहित्य के इतिहास ग्रंथ : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामस्वरूप चतुर्वेदी और बच्चन सिंह
Course title	**प्रयोजनकमूलक हिंदी** **FUNCTIONAL HINDI**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	d. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	PAPER : MAHINC – 507
Semester	III
Number of credits	04
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis for MA courses only)
Day/Time	Monday 9.00 am to 11.00 pm Thursday 11.00 am to 1.00 pm
Name of the teacher/s	Dr. Pankaj Singh Yadav
Course description	**Include the following in the course description** i) साहित्यिक हिंदी से इत्तर प्रयोजनमूलक हिंदी अथवा कामकाज की हिंदी के विविध स्वरूपों की जानकारी तथा रोजगारपरक संवैधानिक महत्ता को बताना है। **ii) उद्देश्य :** • हिंदी भाषा शिक्षण का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करना । • हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की दक्षता का विकास करना । • काम काज एवं कार्यालयी हिंदी की भाषा के परिचय के साथ हिंदी कम्प्यूटिंग, मीडिया लेखन, अनुवाद विज्ञान के सिद्धांतों एवं प्रयोगों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना । • हिंदी भाषा के विविध प्रयोजनों और आयामों से परिचित करवाना । • राजभाषा हिंदी में कामकाज करने की दक्षता विकसित करना । • साहित्यिक हिंदी के अतिरिक्त रोजगारपरक हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना । **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) /(PSO of the Programme)** • प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, स्वरूप और व्यवहार क्षेत्र को समझ सकेंगे । • राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे । • हिंदी भाषा के प्रयोजनपरक रूपों की रोजगारपरकता के प्रति सजग होंगे । • कार्यालयीन संप्रेषण में भाषा और प्रारूपण को समझ पाएंगे । • आधुनिक जनसंचार माध्यम, ई-लेखन, अनुवाद आदि से परिचित होंगे । • सरकारी/गैर सरकारी रोजगार उपलब्धता से परिचित होगें । **iii) Learning Outcomes :** c) स्किल एनहांसमेंट (Skill Enhancement) & d) एम्प्लॉयबिलिटी क्वोशिएंट (Employability Quotient) • कार्यालयी प्रयोग में आनेवाले विभिन्न प्रकार के प्रत्रों के मानक रूप से परिचित हो सकेंगे। • राजभाषा हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली से परिचित होंगे। • विविध क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। • कार्यालयी दस्तावेजों, विज्ञापनों आदि के प्रभावी अनुवाद में दक्ष हो सकेंगे। **इकाई-1** • प्रयोजनमूलक हिंदी: अवधारणा, स्वरूप और प्रयुक्तियां । • राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति । • प्रयोजनमूलक भाषा - अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप ।

	• हिन्दी भाषा की प्रयोजनमूलकता - विश्लेषण। • प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपयोगिता। **इकाई-2** • कार्यालयीन हिंदी की विशेषताएं। • कार्यालयीन लेखन: विविध प्रारूपण (शासकीय अर्धशासकीय और व्यावसायिक पत्र लेखन। • पारिभाषिक अनुवाद: तकनीकी शब्दावली। • प्रयोजनमूलक हिन्दी के अनुप्रयोग के विभिन्न क्षेत्र - वार्तालाप, प्रशासन, जनसंचार, व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, विधि, प्रौद्योगिकी, विज्ञापन - सरकारी एवं गैर-सरकारी क्षेत्र। • पारिभाषिक शब्दावली – अर्थ एवं परिभाषा। • हिन्दी में प्रशासनिक और वैज्ञानिक शब्दावली। • हिंदी – राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा। **इकाई-3** • अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार। • कार्यालयीन अनुवाद: समस्याएं और संभावनाएं। **इकाई-4** • आधुनिक जनसंचार माध्यम। • मुद्रित माध्यमों में हिंदी। • रेडियों और टीवी की हिंदी स्क्रिप्ट लेखन), संवाद लेखन, पार्श्व वाचन(। • सामाजिक माध्यमों में हिंदी। • ईलेखन-।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning : • प्रयोजनमूलक हिंदी: अवधारणा स्वरूप और प्रयुक्तियां। • कार्यालयीन हिंदी की विशेषताएं। • अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार। • आधुनिक जनसंचार माध्यम।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % [Assignment (20), {Presentation (10), Class test (10) and Viva (10)} best of Two] End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading : संदर्भ ग्रंथ** • प्रयोजनमूलक हिन्दी : कृष्णकुमार गोस्वामी • प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे • प्रयोजनमूलक हिन्दी संरचना और अनुप्रयोग : रामप्रकाश एवं दिनेश गुप्ता • प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • प्रयोजनमूलक हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया • प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : कैलाशचंद्र भाटिया • भाषा और प्रौद्योगिकी : विनोद प्रसाद • हिन्दी की प्रकृति एवं शुद्ध प्रयोग : ब्रजमोहन • अजीविका साधक हिन्दी : पूरनचंद टंडन

	• व्यावहारिक हिन्दी : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव / भोलानाथ तिवारी • प्रयोजनमूलक हिन्दी : केन्द्रीय हिन्दी संस्थान • प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं अनुवाद : तेजस्वी कट्टिमणि • प्रयोजनमूलक हिन्दी के समस्याएँ : दिलीप सिंह

Course title	**शोध प्रविधि** **RESEARCH METHODOLOGY**
Category (Mention the appropriate category (a/b/c) in the course description.)	e. Existing course with revision. Mention the percentage of revision and highlight the changes made. 50%
Course code	MAHINRMC 698
Semester	IV
Number of credits	05
Maximum intake	20 (on first-come-first-served-basis **for MA courses only**)
Day/Time	Monday, Tuesday/ 09:00 am to 11:00 am
Name of the teacher/s	Prof. T. J. Rekha Rani
Course description	**Include the following in the course description:** i) शोध प्रविधि द्वारा किसी सैद्धांतिक वा व्यवहारिक समस्या के समाधान का प्रयास किया जाता है। शोध प्रविधि द्वारा किसी नए तथ्य सिद्धांत, विधि या वस्तु की खोज की जाती है और नई जानकारी की प्राप्ति होती है। **ii) उद्देश्य :** • शोध कार्य करने के विशेष नियम अथवा विधि की प्रक्रिया का ज्ञान करवाना। • विद्यार्थियों को शोध प्रविधि द्वारा अनुसंधान के संबंध में नयी जानकारियाँ उपलब्ध कराना। • शोध कार्य के लिए प्रोत्साहित करना। • विद्यार्थियों में अनुसंधानपरक दृष्टि का विकास करना। **पाठ्यक्रम परिणाम (आउटकम) (PSO of the Programme)** • किसी विषय की बेहतर समझ और विश्लेषण के लिए डेटा या साक्ष्य के संग्रह में उपयोग की जाने वाली रणनीतियों, प्रक्रियाएँ या तकनीकों से अवगत कराना। • विद्यार्थी शोध के उद्देश्य और महत्व से परिचित हो सकेंगे। • शोध की प्रविधि और प्रक्रिया से परिचित होकर श्रेष्ठ शोधकर्ता बन सकेंगे। **iii) Learning Outcomes:** a) डोमेन स्पेसिफिक आउटकम्स (Domain Specific Outcomes) & b) वैल्यू एडिशन (Value Addition) • परियोजना कार्य के माध्यम से शोध प्रविधि और प्रक्रिया की समझ विकसित करना। • छात्र अपनी रुचि, अनुभव और प्रयोग के माध्यम से श्रेष्ठ शोध करने के गुणों को सीखने के सिद्धांतों को विकसित करना। • अधिगम के लिए माहौल प्रदान करना जो छात्रों को प्रश्न, विश्लेषण और मूल्यांकन करने की अनुमति देता है। **इकाई-1** • शोध: अभिप्राय, स्वरूप एवं प्रयोजन। • शोध: अनुसंधान, गवेषण और सर्वेक्षण।

	• शोध में प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना और परिकल्पना। • शोध में तथ्य और सत्य। **इकाई-2** • साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध। • प्रमुख शोध पद्धतियाँ: तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, भाषावैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक। • शोध और आलोचना। • शोध की प्रविधि और प्रक्रिया। **इकाई-3** • शोध के साधन एवं उपकरण। • शोध में सामग्री-संकलन की प्रविधि और उपादेयता। • शोध के प्रकार। • शोध प्रबंध की रूपरेखा निमार्ण-पद्धति। **इकाई-4** • संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया। • हिंदी अनुसंधान के संबद्ध विषयों की भूमिका। • पाठालोचना के मुख्य सिद्धांत। • भाषा वैज्ञानिक - अनुसंधान।
Course delivery	Lecture/Seminar/Experiential learning: • शोध: अभिप्राय, स्वरूप एवं प्रयोजन। • साहित्यिक शोध और वैज्ञानिक शोध। • शोध के साधन एवं उपकरण। • संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया।
Evaluation scheme	Internal (modes of evaluation): 40 % Assignment, Presentation and Viva End-semester (mode of evaluation): 60% Final Exam
Reading list	**Essential reading: संदर्भ ग्रंथ** • अनुसंधान का स्वरूप : सं. सावित्री सिन्हा • अनुसंधान की प्रक्रिया : सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक • अनुसंधान प्रविधि, प्रक्रिया विषयक लेख: डॉ. नगेन्द्र • अनुसंधान का विवेचन : डॉ. उदयभानु सिंह **Additional reading : संदर्भ ग्रंथ** • अनुसंधान के मूल तत्व : डॉ. उदयभानु सिंह • शोध-प्रक्रिया : डॉ. विनय मोहन शर्मा • भारतीय पाठालोचन की भूमिका : (हिंदी अनुवाद) डॉ. एस.एम. कत्रे • पाठालोचन: सिद्धांत और प्रक्रिया : मिथिलेश कत्रे • पाण्डुलिपि विज्ञान : रामगोपल शर्मा 'दिनेश' • संरचनात्मक शैलीविज्ञान : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव • साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांडेय • इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च : टी. हेलवे

	• दि स्ट्रैट्जी ऑफ रिसर्च : इसर जार्ज, पागेट थम्पसन • फैक्ट्स: हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च) : डब्ल्यू ए. बग्गले